

दि कल्याण जनता सहकारी बँक लि. (मल्टीस्टेट शेड्युल्ड बँक)

५० व्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्त

शनिवार, दि. 30.09.2023 रोजी बँकेची 50 वी वार्षिक सर्वसाधारण सभा नवरंग बँक्वेट हॉल, बैलबाजार, कल्याण (पश्चिम) येथे सकाळी 10.00 वाजता आयोजित करण्यात आली होती.

सकाळी ठीक 10.00 वाजता मा. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अनंत कुलकर्णी यांनी जाहीर केले की, सभेस आवश्यक ती गणसंख्या नाही, सबब सभा अर्धा तास तहकुब केली जात आहे. सदर सभा अर्ध्या तासानंतर म्हणजे ठीक 10.30 वाजता सुरु होईल व त्या सभेस गणसंख्येचे बंधन असणार नाही. त्यानंतर सकाळी ठीक 10.30 वाजता सभेच्या कामकाजास सुरुवात झाली. मा. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अनंत कुलकर्णी यांनी सर्व उपस्थितांचे हार्दिक स्वागत करुन सभेची सूचना वाचून दाखविली.

सभेच्या सुरुवातीस मा. अध्यक्ष सी. ए. सचिन आंबेकर यांनी सर्व सभासदांचे स्वागत केले. मा. अध्यक्षानी उपस्थित सभासदांना सांगितले की बँकेच्या सभासद कल्याण निधीमधून सभासदांची वैद्यकीय तपासणी केली जाते. तसा उल्लेख बँकेच्या अहवालात असतो. परंतु कोरोना काळात असलेल्या निर्बंधामुळे वैद्यकीय तपासणी बंद होती व त्यामुळे त्याचा उल्लेख संबंधित वर्षाच्या अहवालात नव्हता. या वर्षीच्या अहवालातही त्याचा उल्लेख नाही.पण ज्या सभासदांना वैद्यकीय तपासणी करायची असेल त्यांनी आपल्या शाखेत संपर्क साधावा. तपासणीची सोय पूर्वी होती तशीच चालू आहे.

यानंतर मा. अध्यक्षानी दुखवटयाचा ठराव मांडण्याची विनंती बँकेचे उपाध्यक्ष मा. डॉ. रत्नाकर फाटक यांना केली.

ठराव क्र. 1 : दुखवटयाचा ठराव -

मागील वार्षिक सर्वसाधारण सभेपासून ह्या वर्षीच्या सर्वसाधारण सभेपर्यंत ज्या मान्यवरांचे व बँकेच्या सन्माननीय सभासदांचे निधन झाले त्यांना 50 वी वार्षिक सर्वसाधारण सभा श्रद्धांजली वाहत आहे.

संस्थापक संचालक - सी. ए. वसंतराव फडके, माजी संचालिका - सौ. पुष्पाताई कदम, माजी संचालक - डा.ह्यालाल ढोलकिया, संस्थापक संचालक - डॉ. पद्माकर कारखानिस, खासदार - गिरीष बापट, खासदार, चंद्रपूर - बाळू धानोरकर, आमदार व पुण्याच्या माजी महापौर - मुक्ता टिळक, आमदार, चिंचवड - लक्ष्मण जगताप, माजी केंद्रीय मंत्री व संयुक्त जनता दलाचे माजी अध्यक्ष - शरद यादव, माजी केंद्रीय राज्य मंत्री - माणिकराव गावित, उत्तरप्रदेशचे माजी मुख्यमंत्री - मुलायमसिंग यादव, पंजाबचे माजी मुख्यमंत्री - प्रकाशसिंग बादल, माजी आमदार शिव संग्राम - विनायक मेटे, माजी आमदार - दिगंबर विशे, माजी आमदार - जयप्रकाश छाजेड, माजी शिक्षक आमदार - प्रभाकर संत, मुंबईचे माजी महापौर - विश्वनाथ महाडेश्वर, पद्मविभूषण, हरीत क्रांती जनक - एम. एस.स्वामीनाथन, रा.स्व.संघाचे माजी सह-सरकार्यवाह मदनदास जी देवी, विज्ञान भारतीचे राष्ट्रीय संघटक सचिव व संघाचे प्रचारक - जयंतराव सहस्रबुद्धे, द्वारकापीठाचे शंकराचार्य - स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती, टाटा

सन्सचे माजी अध्यक्ष व प्रसिद्ध उद्योगपती - सायरस मिस्त्रि, ज्येष्ठ उद्योजक - केशुब महिंद्रा, गणित तज्ञ व शास्त्रज्ञ - डॉ. मंगला नारळीकर, ख्यातनाम अभिनेते - प्रदीप पटवर्धन, शेअर बाजारातील प्रसिद्ध व्यक्तिमत्व - राकेश झुनझुनवाला, हास्य अभिनेता - राजु श्रीवास्तव, ज्येष्ठ अभिनेत्री - तबस्सुम, अभिनेते - सुनील शेंडे, ज्येष्ठ अभिनेते - विक्रम गोखले, ज्येष्ठ रंगकर्मी - मोहनदास सुखटणकर, लावणी सम्राज्ञी (पार्श्व गायिका) - सुलोचना चव्हाण, ज्येष्ठ अभिनेत्री - चित्रा, ज्येष्ठ पार्श्वगायिका - वाणी जयराम, प्रसिद्ध नृत्यांगना - पद्मभूषण डॉ. कनक रेळे, ज्येष्ठ क्रिडा पत्रकार - वि.वि.करमरकर, लेखक, दिग्दर्शक, अभिनेते - सतीश कौशिक, प्रसिद्ध नाट्य समिक्षक - कमलाकर नाडकर्णी, माजी क्रिकेटपटु - सलीम दुराणी, ख्यातनाम अभिनेत्री - उत्तरा बावकर, ज्येष्ठ अभिनेत्री - सुलोचना (लाटकर), अभिनेते - गुफी पेंटल, अभिनेते - रविंद्र महाजनी, ज्येष्ठ अभिनेते - जयंत सावरकर, पत्रकार, समिक्षक, लेखक - शिरीष कणेकर, प्रख्यात रानकवी - ना.धो. महानोर, ख्यातनाम कलादिग्दर्शक - नितिन देसाई, विख्यात लेखक - प्रा. हरी नरके, ज्येष्ठ अभिनेत्री - सीमा देव, टप्पा गायकीवर प्रभुत्व असणा-या शास्त्रीय संगीताच्या ज्येष्ठ गायिका - मालिनी राजुरकर, जयपुर अत्रौली घराण्याच्या ज्येष्ठ गायिका - माणिक भिडे.

दिवंगत सभासदांची यादी

क्र.	सभासद क्रमांक	नाव	मृत्यू दिनांक
1	3014	गोखले चिंतामणी शंकर	04/01/2022
2	20365	फडके भास्कर भिकाजी	09/01/2022
3	65	गोडबोले वसंत वामन	17/01/2022
4	10636	परब अप्पा भाने	17/01/2022
5	11846	पाटील प्रकाश परभत	18/01/2022
6	10599	जाधव शामराव शंकर	20/01/2022
7	58884	काजळे जालिंदर दत्तात्रय	22/01/2022
8	66302	कटारे शकुंतला भाऊसाहेब	23/01/2022
9	69870	ड्युफ्राइन डिकौथो	25/01/2022
10	20583	करंदीकर भावना रमेश	28/01/2022
11	19259	मलबारी वसंत काळूराम	04/02/2022
12	7350	बोटेकर मारुती लक्ष्मण	10/02/2022
13	22466	गुप्ते प्रिया प्रदीप	14/02/2022
14	11750	घोलप रमेश हरीभाऊ	19/02/2022
15	54514	बिस्वास बेनीमाधव	21/02/2022
16	20656	परब नारायण भिकाजी	22/02/2022
17	48344	गाडगीळ पुष्पा अरविंद	02/03/2022
18	13865	पोतनीस हेमंतकुमार गोविंद	05/03/2022
19	18122	वैद्य दत्तात्रय गोविंद	14/03/2022
20	9612	गायकवाड अनंता भगवंत	15/03/2022
21	7095	देशपांडे शरद रघुनाथ	25/03/2022
22	2297	नाईक रमेश वामन	08/04/2022
23	11469	जाधव संभाजी बाळा	10/04/2022

24	41	देशपांडे विद्याधर हणमंत	18/04/2022
25	3669	अगरस्ती शरदचंद्र दत्तात्रय	22/04/2022
26	24616	न्हावी वसंत किसन	23/04/2022
27	2025	गायधनी प्रभाकर वासुदेव	28/04/2022
28	30015	पाटील दत्तात्रय दामू	30/04/2022
29	20704	भागवत शांताराम बाळकृष्ण	03/05/2022
30	44705	जाधव सुरेखा आनंद	05/05/2022
31	31353	परदेशी अजित सिंग	10/05/2022
32	950	मुलानी सुलेमान रसुल	13/05/2022
33	5174	पाटील त्र्यंबक धुडकू	16/05/2022
34	70508	लांडगे दिनेश हिरामन	18/05/2022
35	45267	जेजुरीकर अनिल अनंत	24/05/2022
36	13006	भाटवडेकर मधुकर विनायक	27/05/2022
37	49903	भुरे सुलेखा प्रमोद	30/05/2022
38	27670	फाटक श्याम भिकाजी	01/06/2022
39	45253	दिवेकर राम किसन	22/06/2022
40	24065	बालसुब्रमणियन्	23/06/2022
41	3923	महाजन प्रमोद गजानन	24/06/2022
42	43133	नागराणी प्रताप जेठानंद	06/07/2022
43	11086	पटेलपैक विनोद विठोबाजी	06/07/2022
44	3641	भातखंडे सिंधू गोपाल	12/07/2022
45	2384	जोशी लक्ष्मण दत्तात्रय	12/07/2022
46	22741	गायकवाड शंकर मोतीराम	15/07/2022
47	10211	देशमुख महेश भाऊ	17/07/2022
48	35383	सावंत उमेश अनंत	18/07/2022
49	4534	केळकर विद्या विनायक	18/07/2022
50	55256	नानल विजया रघुनाथ	24/07/2022
51	7564	लखिमळे सदाशिव सखाराम	25/07/2022
52	10536	कुलकर्णी अशोक सदाशिव	26/07/2022
53	23597	नेरकर मंगेश काशिराम	29/07/2022
54	47853	घोरपडे बाळू मावंजी	31/07/2022
55	12744	शुक्ला रामक्रिपाल कृष्णदास	01/08/2022
56	69097	अय्यर रमण सुंदररमन	03/08/2022
57	2940	धारणकर कमल कमलाकर	05/08/2022
58	32706	तिजोरे वसंत उत्तम	11/08/2022
59	27747	नलावडे सिताराम गंगाराम	13/08/2022
60	45603	रावल मनुभाई कचरालाल	13/08/2022
61	18087	मयेकर अमित दिनकर	28/08/2022
62	28004	खरात प्रकाश लक्ष्मण	29/08/2022
63	13017	देवधर पुष्पा अशोक	30/08/2022
64	50960	ठक्कर शंकरलाल दामजी	31/08/2022
65	4397	साळवी मनोहर दत्तात्रय	06/09/2022
66	38416	भगत महादेव मारुतीराव	07/09/2022
67	40207	भनसाळी हिरकणी पोपटलाल	14/09/2022

68	13248	गुप्ता हरीश लालताप्रसाद	27/09/2022
69	43700	महाडीक विजय प्रभातराव	29/09/2022
70	5713	आगावणे धोंडीराम अनंत	12/10/2022
71	21163	गोस्वामी अरुणकुमार	17/10/2022
72	19280	देशपांडे आशा अनंत	04/11/2022
73	45811	तुपे वनिता विनायक	07/11/2022
74	25915	उमराणी मोहम्मद जाफर	08/11/2022
75	45604	चांडोके बिमला ब्रिजमुषण	11/11/2022
76	42793	चाफेकर प्रकाश वामन	11/11/2022
77	20429	सहस्रबुद्धे वैशाली अजित	15/11/2022
78	13767	कंडारे गोपाळ कन्हैया	16/11/2022
79	38820	टेमकर विजय नारायण	17/11/2022
80	10937	गायकवाड किसन वामन	21/11/2022
81	51206	काळे मकरंद पांडूरंग	22/11/2022
82	16702	कुलकर्णी माधव प्रभाकर	25/11/2022
83	7206	भनगडे दादाभाऊ दगडू	26/11/2022
84	334	तायडे पुंडलिक आनंदा	26/11/2022
85	68918	ब्राम्हणकार भिका दशरथ	06/12/2022
86	46626	देशपांडे कालिंदी बाळकृष्ण	08/12/2022
87	55266	सोनावणे श्रीराम भगवंत	10/12/2022
88	46557	अठवले विद्यानंद रघुनाथ	10/12/2022
89	39513	धनगर भिमराव संभाजी	11/12/2022
90	9175	कुलकर्णी पद्मा शांताराम	15/12/2022
91	15747	उपाध्याय उदयराज सत्यनारायण	16/12/2022
92	23028	गडकरी सतिश शंकर	18/12/2022
93	50082	शिंदे अशोक रावजी	25/12/2022
94	29531	शेख मंजूर बक्षू	25/12/2022
95	35731	कदम सचिन दत्तात्रय	27/12/2022
96	56475	साखरे सुमन भास्कर	30/12/2022
97	6460	काळे सुरेश पन्नालाल	02/01/2023
98	4203	खळदकर सुरेश दिगंबर	03/01/2023
99	16909	चक्रदेव अनंत वामन	03/01/2023
100	18767	निकुंभ वसंत दगडु	05/01/2023
101	75811	मोरे सुपर्णा लक्ष्मण	06/01/2023
102	47174	जाधव हरीदास देवराम	07/01/2023
103	21365	दळवी केशव दत्ताराम	09/01/2023
104	52700	धारप शुभदा श्रीधर	10/01/2023
105	5144	सुतार कृष्णा चांगो	11/01/2023
106	18130	बोरवणकर रजनी गजानन	12/01/2023
107	235	फडके वसंत गणेश	17/01/2023
108	5097	साठे सुनिता रामकृष्णा	20/01/2023
109	3681	कदम पुष्पा अर्जुन	21/01/2023
110	32823	शिंदे राजू धर्माजी	30/01/2023
111	2551	ताम्हाणे चंद्रकांत सखाराम	31/01/2023

112	11335	मोघे विनय सदाशिव	03/02/2023
113	7030	पाठक प्रेमचंद फुलचंद	03/02/2023
114	46742	चोडणेकर सुरेश पुंडलीक	05/02/2023
115	32131	काटे आनंदराव पांडूरंग	07/02/2023
116	42676	वात्स्यायनी संतोष प्रभाकर	08/02/2023
117	29445	तावडे मधुकर विष्णू	09/02/2023
118	33363	कदम पांडूरंग दत्तात्रय	15/02/2023
119	9703	वलेचा ताराचंद भगवानदास	21/02/2023
120	47864	कुलकर्णी प्रमिला विलास	23/02/2023
121	6171	सोनावणे गणपत शंकर	26/02/2023
122	11551	जाधव उलका चिंतामणी	03/03/2023
123	45268	गरुड कृष्णाजी लक्ष्मण	06/03/2023
124	45767	खोत दिवाकर शांताराम	10/03/2023
125	13938	सरोदे निवृत्ती जगन्नाथ	11/03/2023
126	41594	शर्मा नत्थीलाल पूरनचंद	16/03/2023
127	31894	जाधव रमाकांत वामन	17/03/2023
128	64537	दिवेकर संदीप गोपाळ	21/03/2023
129	6898	टोणपे भागवत भिवा	08/04/2023
130	43536	शिर्के प्रकाश काशीराम	09/04/2023
131	31685	करोसिया किसन बन्सी	12/04/2023
132	40196	रोकडे दिनकर मुरलीधर	15/04/2023
133	8097	परमार छगन काळु	15/04/2023
134	63	गोगटे शंकर रामचंद्र	19/04/2023
135	56977	राठोड देवकरण मनजी	04/05/2023
136	36298	शाह प्रफुल जमनादास	07/05/2023
137	18952	जोशी मेघश्याम सोमनाथ	10/05/2023
138	24033	गरकळ गंगाधर सूखदेव	17/05/2023
139	47147	पोटा व्योमेश रविशंकर	18/05/2023
140	49061	गोगटे असावरी विजय	15/06/2023
141	37753	गायकवाड शिवाजी मंगल्या	19/06/2023
142	53041	फडके सुरेंद्र दत्तात्रय	20/06/2023
143	45940	फेडरे पुरुषोत्तम रामकृष्ण	24/06/2023
144	20120	डिंगनकर स्मिता अरुण	26/06/2023
145	19502	कुलकर्णी सुहास गोविंद	26/06/2023
146	34224	गुरव शकुंतला बुग्या	30/06/2023
147	8823	खानविलकर अरुण गोपाल	16/07/2023
148	45178	बाफना नाजुबाई शंकरलाल	17/07/2023
149	45151	वायल गजानन धोंडिबा	28/07/2023
150	15489	भालके मंगल कथोड	06/08/2023
151	31683	चव्हाण रजनीकांत कमलाकर	26/02/2022
152	14790	राजेद्रन् नेलाईअप्पन	15/04/2022
153	50446	भाटे शालिनी सदाशिव	05/06/2022
154	48920	आरळेकर शैलजा तानाजी	19/11/2022
155	1807	महींद्रकर चंद्रकांत नामदेव	16/07/2022

156	32505	पुराणिक प्रमोद दत्तात्रय	08/09/2022
157	8236	शिधोरे अशोक कृष्णाजी	10/08/2022
158	777	काळे शामसुंदर कृष्णाजी	26/04/2022
159	32575	दळवी नम्रता नरेंद्र	30/09/2022
160	23094	बगाडे सुनिल भालचंद्र	16/03/2023
161	50000	राजर्षी गोपाळ त्रिंबक	03/01/2023
162	19644	सांगवीकर मनिषा श्रीकांत	31/01/2023
163	54778	मिश्रा भीमशंकर गंगासागर	07/01/2023
164	40316	बारस्कर किरण प्रकाश	19/08/2022
165	18860	उपकारे माधुरी मुकूंद	03/03/2023
166	25199	जाधव प्रमिला बबन	05/04/2023
167	20548	पाटील मंगेश पांडूरंग	15/02/2023
168	6321	वायुवेगळा श्रीनिवास सुभाष	28/03/2023
169	31257	आडावळे लक्ष्मण नामदेव	31/07/2023
170	28016	बेंद्रे मालती माधव	19/08/2023
171	314	बेहेरे सुरेश काशीनाथ	19/04/2023
172	48144	ओझा अनिल सियाचरन	12/08/2022
173	18030	जगताप दामोदर तुकाराम	28/02/2023
174	19726	लांडगे विलास महादेव	24/03/2023
175	18447	जोशी वैशाली विजय	20/10/2022
176	56093	खांडेकर पांडूरंग बापू	17/02/2023
177	69276	वाधवेकर कल्पना प्रदीप	10/03/2023
178	5589	करमरकर अनंत दत्तात्रय	07/05/2023
179	19232	पोफाली रमन दिनकर	11/05/2023
180	25075	पाटील रामचंद्र जिजाबा	05/07/2023
181	45352	घोष प्रमोद कुमार	19/08/2023
182	16570	नामजोशी मीरा दत्तात्रय	28/03/2022
183	30363	चव्हाण गोविंद तळेराम	21/07/2023
184	4816	मोटवाणी हिरानंद जमात्रय	20/05/2023
185	32857	कोळपकर सतिश शालिनी	09/02/2023
186	46707	बिवलकर शकुंतला नारायण	04/03/2023
187	46617	दामोदरे दत्तात्रय लक्ष्मण	27/07/2022
188	4249	पाटील महादेव दत्तात्रय	05/08/2023
189	50026	गोरे गजानन लक्ष्मण	18/12/2022
190	11526	कांगो विणायक अंबादास	09/11/2022
191	50654	मिश्रा रविंद्र नाथ	21/05/2023
192	31145	डोहाळे सुगंधा दत्तात्रय	13/08/2022
193	55947	धर्माधिकारी शशिकला पुरुषोत्तम	24/01/2023

यानंतर विषयपत्रिकेवरील विषय सभेपुढे मांडण्यात आले.

विषय : संचालक मंडळाने सादर केलेल्या दि. 31.03.2023 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाच्या अहवालाची नोंद घेणे. तसेच सन 2023-24 च्या अंदाजपत्रकाची नोंद घेणे.

बँकेचे अध्यक्ष मा. सी.ए. सचिन आंबेकर यांनी दि. 31.03.2023 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाचा अहवाल व सन 2023-24 साठीचे अंदाजपत्रक सभेपुढे दृकश्राव्य माध्यमातून सादर केले.

विषयास सुरुवात करताना मा. अध्यक्षानी सांगितले की आर्थिक वर्ष 2022-23 चा विचार केला तर, कोरोनाच्या काळानंतर जागतिक परिस्थितीमध्ये काही अपवाद वगळता सगळीकडे प्रगतीच्या दिशेने वाटचाल सुरु झाली आहे. आशिया खंडाचा विचार केला तर जपान, चीन आणि भारत या अतिशय मजबूत अर्थव्यवस्था म्हणून जास्त प्रकर्षाने उदयास येतील असे जागतिक अर्थव्यवस्थेचे भाकीत आहे. 5 Trillion Economy आणि भारताची अर्थव्यवस्था जगामध्ये तिस-या क्रमांकावरची महाअर्थसत्ता होण्यासाठी केंद्र सरकार जे प्रयत्न करीत आहे त्याला दुजोरा देणारी ही भाकीते आहेत. जागतिक अहवालानुसार जागतिक अर्थव्यवस्था 2023 मध्ये 2.3% ने तर 2024 मध्ये 2.5% ने वाढेल असा अंदाज नोंदवला गेला आहे तर भारतीय अर्थव्यवस्था 2023 साली 5.8% ने तर 2024 मध्ये 6.7% ने वाढेल असा अंदाज आहे.

गेल्या आर्थिक वर्षात बँकिंग क्षेत्रात जे बदल झाले त्यापैकी पुढील दोन महत्वाच्या बदलांविषयीची माहिती मा. अध्यक्षांनी दिली.

रिझर्व्ह बँकेने तंत्रज्ञानावर आधारित डिजिटल रुपी ही चलन व्यवस्था प्रत्यक्ष चलनाला समर्थ पर्याय म्हणून उपलब्ध करून दिली आहे. त्यामुळे येत्या काळात नविन नोटा छापणे व नविन नाणी तयार करणे हे हळूहळू कमी होऊन त्यावर होणारा खर्च कमी होऊ शकतो.

दुसरा महत्वाचा बदल म्हणजे Corporate Compliance किंवा Compliance Culture, रिझर्व्ह बँक अर्बन को ऑपरेटिव्ह बँकांमध्ये लागू करू पहात आहे. त्याची सुरुवात म्हणून रिझर्व्ह बँक ऑफ इंडियाने सुपरवायजरी अॅक्शन फेमवर्क (SAF) म्हणजे बँकांवर नियंत्रण ठेवण्यासाठीचे निकष तसेच फायनान्शियल अली साउंड अॅन्ड वेल मॅनेज्ड बँकिंगसाठीचे निकष (FSWM) या मध्ये बदल केल्याने बँकिंग क्षेत्रास आर्थिक शिस्त लागण्यास मदत होणार आहे.

याचबरोबर केंद्र सरकारने बँकिंग क्षेत्राशी निगडित महत्वाची दोन पावलं उचलली आहेत. त्यापैकी एक म्हणजे MSCS Act मधील बदल /सुधारणा. या बदलांना /सुधारणांना राष्ट्रपतींची मंजूरी मिळाली असून सदर बदल हे दि. 03.08.2023 पासून लागू झाले आहेत.त्या अनुषंगाने विषयपत्रिकेवर उपविधी दुरु स्तीस मंजूरी देणे हा विषय असून हा विषय तांत्रिक स्वरुपाचा आहे. या तरतूदी बँकेच्या Bye Laws मधील तरतूदीशी सलंगन करण्यासाठी ठराव सभेपुढे मांडणार असल्याचे अध्यक्षांनी सांगितले.

तसेच रिझर्व्ह बँक ऑफ इंडिया व केंद्र सरकार यांनी NUCFDC (National Urban Co-operative Finance and Development Corporation) नावाची अर्बन बँकांसाठी अम्ब्रेला ऑर्गनायझेशनची स्थापना केली आहे. देशभरातील 1500 सहकारी बँकांना माहिती व तंत्रज्ञान, तसेच आर्थिक पाठबळ, निधी पुरवठा करणे यासाठी प्रथमच अशा शिखर संस्थेची स्थापना देशात झाली आहे. थोड्याच दिवसात ही संस्था कार्यान्वित होईल.

रिझर्व्ह बँकेला अपेक्षित Corporate Compliance किंवा Compliance Culture साठी बँकेमध्ये चीफ रिस्क ऑफिसर व चीफ कंप्लायन्स ऑफिसर ही दोन नविन पदे तयार करण्यात आली आहेत. या पदांच्या

कामकाजाबद्दलच्या रिझर्व्ह बँकेच्या मार्गदर्शक सूचना या दि. 1 ऑक्टोबर, 2023 पासून लागू होणार आहेत परंतु बँकेने हा कंप्लायन्स गेल्या वर्षी केला असून दोन्ही पदांवर अधिकारी कार्यरत आहेत.

रिझर्व्ह बँकेच्या निर्देशानुसार Internal Inspection, Risk Based (RBIA) असायला पाहिजे. याची अंमलबजावणी बँकेने सन 2022-23 वर्षामध्ये केली आहे.

दि. 23 डिसेंबर, 2022 रोजी बँकेने सुवर्ण महोत्सवी वर्षात पदार्पण केले. मा. अध्यक्षांनी सुवर्ण महोत्सवी वर्षाच्या शुभारंभ सोहळ्याची माहिती सभेमध्ये सांगितली व क्षणचित्रे सभेमध्ये दाखविण्यात आली. या कार्यक्रमात बँकेच्या नविन लोगोचे अनावरण मा. श्री. नितीनजी गडकरी यांच्या शुभहस्ते करण्यात आले. काळानुरूप जे नविन नियम आले आहेत त्यानुसार नविन लोगो तयार केला आहे. तसेच बँकेच्या इमारतीचे चित्र असलेल्या विशेष टपाल पाकिटाचे अनावरण मा. श्री. गणेशजी सावळेश्वरकर यांच्या हस्ते करण्यात आले. याच कार्यक्रमात, बँकेशी सलग्न असलेले व मेक इन इंडियासाठी काम करणारे उद्योजक श्री. मधू हब्बू व श्री. अमित घैसास यांना 'संचालक समाजसेवा पुरस्कार निधी' न्यासातर्फे मा. श्री. नितीनजी गडकरी यांच्या हस्ते 'संचालक समाजसेवा पुरस्कार' देण्यात आला.

सुवर्ण महोत्सवी वर्षात दि. 24.06.2023 रोजी अत्रे रंगमंदिर कल्याण येथे सभासदांसाठी 'तीर्थ विडुल' हा कार्यक्रम आयोजित केला होता. दि. 29.07.2023 रोजी नाशिक येथील सभासदांसाठी भोसला मिलिटरी स्कूल ऑडिटोरियम येथे 'वंदे मातरम्' हा कार्यक्रम आयोजित केला होता. याच कार्यक्रमादरम्यान उद्योजक श्री. रामचंद्र जोरापूरकर यांना मा. श्री. विजयराव कदम यांच्या हस्ते संचालक समाजसेवा पुरस्कार प्रदान करण्यात आला. या दोन्ही कार्यक्रमाचे फेसबुक लाइव्ह व यू ट्यूब लाइव्ह केले होते. त्यामुळे जास्तीत जास्त सभासदांपर्यंत पोहोचता आले. तसेच येत्या डिसेंबर मध्ये बँकेच्या सुवर्ण महोत्सवी वर्षाचा सांगता समारंभ होणार असल्याचे मा. अध्यक्षांनी सांगितले.

त्यानंतर मागिल वर्षातील उल्लेखनीय घटनांविषयी माहिती मा. अध्यक्षांनी सभेस दिली.

दि. 17.08.2022 रोजी कराड शाखेचे नविन प्रशस्त वास्तूत स्थलांतरण झाले. मा. श्री. प्रविणजी धबडगाव या कार्यक्रमाचे अध्यक्ष होते.

दि. 04.10.2022 रोजी गुजरातमधील सूरत शाखेचे उद्घाटन झाले. या शाखेत चांगल्या प्रकारे व्यवसाय होत असून, दि. 31 मार्च, 2023 अखेर शाखेने रु. 52.00 कोटींचा व्यवसाय केला आहे व आता हा व्यवसाय रु. 80.00 कोटींच्या वर गेला आहे.

कल्याण मधील गुढीपाडव्याच्या शोभायात्रेत बँकेने सहभाग घेतला होता. त्यामध्ये Cyber Security बदल जागरूकता हा विषय पोहोचवण्यात आला.

यानंतर मा. अध्यक्षांनी अहवाल वर्षातील आर्थिक परिस्थितीचा आढावा सभेपुढे सादर केला.

आर्थिक वर्षात बँकेने उत्तम कामगिरी केली आहे.

अहवाल वर्षात भागभांडवल रु.3.81 कोटीने वाढून रु. 107.56 कोटी झाले असून सभासद संख्या 60085 वरून 62116 इतकी झाली आहे. सभासद संख्येत 2031 ची वाढ आहे.

राखीव निधीमध्ये रु. 36.26 कोटींनी वाढ होऊन रु.205.86 कोटींवरून रु.242.12 कोटी झाले आहेत.

अहवाल वर्षात ठेवींमध्ये रु.109.09 कोटीने वाढ झाली असून मार्च 2023 ला एकूण ठेवी रु.3315.33 कोटी आहेत. तसेच कर्जांमध्ये रु.189.06 कोटीने वाढ झाली असून मार्च 2023 ला एकूण कर्जे रु. 2151.23 कोटी आहेत.

बँकेचा मिश्र व्यवसाय 31 मार्च 2022 रोजी रु. 5168.41 कोटी इतका होता त्यात रु.298.15 कोटीची वाढ झाली असून 31 मार्च 2023 रोजी मिश्र व्यवसाय रु. 5466.56 कोटी इतका झाला आहे. मिश्र व्यवसायात 5.77% वाढ दिसत आहे. ही वाढ देशाच्या वाढीशी (5.8%) संलग्न दिसत आहे.

अहवाल वर्षात प्रति कर्मचारी उत्पादकता रु.11.56 कोटी झाली आहे. गेल्या वर्षीच्या तुलनेत रु.1.03 कोटींनी वाढली आहे.

भांडवल पर्याप्ततेचे प्रमाण 11.75% वरून कमी होऊन मार्च 2023 अखेर हे प्रमाण 10.08% आहे.

याबद्दल अधिक माहिती देताना मा. अध्यक्षानी सांगितले की आर्थिक वर्षात बँकेने जो नफा मिळवला आहे त्याच्याशी जर हा रेशो काढला तर 2022-23 मध्ये भांडवल पर्याप्तता प्रमाण 11.49% इतके आहे. परंतु अहवालात ते 10.08% इतके दिसत आहे. याचे कारण म्हणजे या वर्षी नफा तोटा खात्यात तीन अतिरिक्त तरतूदी (Extra Ordinary Provisions) केल्या आहेत. रिझर्व्ह बँकेने काही नियम बदलल्यामुळे गेल्या पाच वर्षांमध्ये जे Accounting केले होते त्याच्या सुधारित नोंदी रिझर्व्ह बँकेने सांगितल्याप्रमाणे 2022-23 या वर्षात केल्या. त्याचा परिणाम म्हणून भांडवल पर्याप्तता प्रमाण 10.08% इतके आहे.

अनुत्पादित कर्जांमध्ये थोडी वाढ होऊन Gross NPA रु. 101.00 कोटींवरून रु.123.00 कोटी इतके झाले. त्याचे प्रमाण 5.13% वरून 5.73% इतके झाले आहे. निव्वळ अनुत्पादित कर्जांचे प्रमाण कमी होऊन 3.27% वरून 3.12% झाले आहे.

Write-off केल्याने ताळेबंद पत्रक स्वच्छ होते परंतु अशा खात्यांमधील वसूलीचे अधिकार बँकेला असतात. याशिवाय Write-off केल्याने बँकेच्या इन्कम टॅक्समध्ये बचत होते. अहवाल वर्षात कोणतेही NPA कर्जखाते Write-off केले नसल्याचे सांगितले.

याचबरोबर अजून एक रेशो म्हणजे पीसीआर (Provision Coverage Ratio). रिझर्व्ह बँकेच्या दृष्टीने याला महत्व असून हा रेशो मार्च 2022 ला 34% होता तो मार्च 2023 ला 47% आहे. चांगल्या आर्थिक व्यवहारांच हे निर्देशक आहे.

पुढे मा. अध्यक्षानी सांगितले की सन 2021-22 मध्ये बँकेचा ऑपरेटिंग नफा रु.23.83 कोटी होता त्यात साधारण 62% वाढ होऊन 2022-23 या आर्थिक वर्षासाठी तो रु. 38.64 कोटी झाला आहे. बँकेच्या इतिहासात प्रथमच नफ्यामध्ये एवढी मोठी वाढ झाली आहे. ऑपरेटिंग नफ्यातून वेगवेगळ्या तरतूदी केल्यावर सन 2021-22 मध्ये निव्वळ नफा रु. 19.49 कोटी तर सन 2022-23 साठी तो रु.21.69 कोटी इतका आहे. असे असूनही नफा तोटा पत्रकात बँकेने तोटा दर्शविला आहे. याचे कारण म्हणजे गेल्या वर्षी रिझर्व्ह बँकेने आपल्या बँकेचे इन्स्पेक्शन केले. त्यानुसार बँकेस पुढील अतिरिक्त तरतूदी करण्यास सांगितले.

या बद्दल अधिक स्पष्टीकरण देताना मा. अध्यक्षानी सांगितले की, दि. 28 जून 2022 रोजी आपल्या बँकेने सन 2021-22 चे ताळेबंद पत्रक व नफा तोटा पत्रक पेपरमध्ये प्रकाशित केले. त्याच दिवशी संध्याकाळी ARC संदर्भातील परिपत्रक रिझर्व्ह बँकेने काढले व त्यात SR संदर्भात सन 2014 मधील परिपत्रकानुसार जी तरतूद करायची होती ती पूर्वलक्षी प्रवाहाने लागू करण्यात आली.

NPA कर्जखाती ARC कडे विकल्यावर जी SR मिळतात त्या SR चे बँक NON SLR Investment अंतर्गत वर्गीकरण करते. त्या संदर्भातल्या सर्व नियमांचे बँकेने पालन केले आहे. SR ची NON SLR Investment

अंतर्गत करावी लागणारी तरतूद बँकेने केली आहे. रिझर्व्ह बँकेच्या सन 2021-22 च्या इन्स्पेक्शन अहवालानुसार ARC च्या SR ची सन 2021-22 आणि 2022-23 पर्यंतची तरतूद रु. 28.08 कोटी सन 2022-23 मध्ये नफा तोटा खाती वर्ग केली आहे.

31 मार्च, 2023 ला SR ची रक्कम रु.70.00 कोटी एवढी आहे. NPA कर्जखाती ARC ला विकल्यानंतर आतापर्यंत रु.30.00 कोटीची वसूली झाली आहे. ज्यात रु.15.00 कोटीची कॅश रिकव्हरी व रु.15.00 कोटी रिडम्पशन रिकव्हरी झाली आहे.

तसेच पंजाब अँड महाराष्ट्र को ऑपरेटिव्ह बँकेच्या LC समोर बँकेने रु.7.97 कोटीचे Bill Discounting केले होते. पंजाब अँड महाराष्ट्र को ऑपरेटिव्ह बँकेवर रिझर्व्ह बँकेने निर्बंध घातल्यानंतर या Bill Discounting रक्कमेचे क्रेडिट आपल्या बँकेस मिळाले नाही. पंजाब अँड महाराष्ट्र को ऑपरेटिव्ह बँक आता युनिटी स्मॉल फायनान्स बँकेमध्ये विलिन झाली आहे. केंद्र सरकारच्या राजपत्रानुसार ती रक्कम पाच वर्षात देय आहे.

रिझर्व्ह बँकेच्या इन्स्पेक्शन अहवालानुसार ही Bill Discounting ची रक्कम NPA समजून त्याची रु.6.37 कोटीची तरतूद सन 2022-23 मध्ये नफा तोटा खाती वर्ग केली आहे.

तिसरी अतिरिक्त तरतूद नॉन बँकिंग असेट संदर्भात केली आहे. नॉन बँकिंग असेट म्हणजे स्थावर मालमत्ता, जी बँकेकडे गहाण आहे व कर्जदार कर्जाची परतफेड करू शकत नाही, अशी मालमत्ता बँक को-ऑपरेटिव्ह कायदा व SARFAESI कायदानुसार विकण्यासाठी स्वतःच्या नावावर करू शकते. ताळेबंद खात्यात NBA अंतर्गत रु.24.00 कोटी दिसत आहेत. या सर्व खात्यांचे लेखापरिक्षण व रिझर्व्ह बँकेचे इन्स्पेक्शनही झाले होते. परंतु रिझर्व्ह बँकेने NBA चे Accounting करताना या खात्यांमधील व्याजाची जी रक्कम नफ्यात धरली होती ती व्याज रक्कम सन 2022-23 नफा तोटा खाती उलटविण्यास सांगितली व त्यानुसार रु.8.08 कोटीची व्याज रक्कम वजा केली आहे.

अशी एकूण रु.42.53 कोटीची अतिरिक्त तरतूद (Extra Ordinary Provision) नफा तोटा खाती वर्ग केल्याने बँकेने रु.20.83 कोटीचा तोटा अहवालात दर्शविला आहे. अशा प्रकारच्या तरतूदी अन्य बँकांनाही करण्याचे निर्देश रिझर्व्ह बँकेने दिले असल्याचे सांगितले.

सर्व तरतूदीनंतर 20.83 कोटीचा तोटा दर्शविला तरी बँकेने Accumulated Loss केलेला नाही. गेल्या सहा महिन्यातील बँकेची कामगिरी पाहता, सन 2022-23 मधील रु.38.64 लाखांइतका Operating Profit सन 2023-24 मध्येही होईल असे अध्यक्षांनी सांगितले. Compliant Bank रहाण्यासाठी बँकेने या सर्व तरतूदी केल्या आहेत.

यानंतर विमा व्यवसायाची माहिती देताना अध्यक्षांनी सांगितले की बँक जीवन विम्याकरीता कोटक लाईफ इन्शुरन्स व सर्वसाधारण विम्याकरीता दि न्यू इंडिया अॅश्युरन्स बरोबरच ग्राहकांना सर्वोत्तम कंपन्यांच्या विविध प्रकारच्या विमा सेवांचा लाभ घेता यावा यासाठी बँकेने जीवन विमा व्यवसायासाठी SBI Life Insurance Company Ltd. तसेच सर्वसाधारण व आरोग्य विम्यासाठी ICICI Lombard General Insurance Company Ltd. यांच्याबरोबर करार केला आहे.

सन 2022-23 मध्ये बँकेने दोन्ही प्रकारच्या विमा व्यवसायामधून रु.76.48 लाख कमिशन मिळविले आहे.

यानंतर मा. अध्यक्षांनी अहवाल वर्षात बँकेला मिळालेल्या पुरस्कारांची माहिती सभेस दिली.

बँको या मासिका तर्फे मोठया सहकारी बँकांच्या विभागात सन 2022 करीता Best Bank Blue Ribbon हे प्रथम क्रमांकाचे बक्षीस मिळाले.

B2B या संस्थेतर्फे सन 2022 करीता श्री. अतुल खिरवडकर यांना Best MD/CEO हा प्रथम क्रमांकाचा पुरस्कार मिळाला आहे.

बँकेने सभासद कल्याण निधी अंतर्गत प्रतिवर्षी प्रमाणे सभासदांच्या पाल्यांना सन 2022-23 मध्येही विद्यार्थी प्राविण्य पुरस्कार प्रदान केले आहेत.

यानंतर मा. अध्यक्षांनी सन 2023-24 या आर्थिक वर्षासाठीचे अंदाजपत्रक सभेपुढे मांडले. सन 2023-2024 या वर्षाकरीता ठेवी रु.3450 कोटी व कर्जे रु. 2250 कोटी असे उद्दिष्ट बँकेने ठेवले आहे.

यानंतर मा. अध्यक्षांनी सभासदांना उद्देशून सांगितले की बँकेचे 50 वे वर्ष चालू असून त्यानिमित्ताने पात्र सभासदांना बँक भेटवस्तू देणार आहे. भेटवस्तूच्या वितरणाची सुरुवात बँकेचे संस्थापक संचालक मा. श्री. वामनराव साठे, मा. प्रा. श्री. अशोक प्रधान व मा. श्री. वसंतराव पुरोहित या तीन संस्थापक संचालकांना भेटवस्तू देऊन करण्यात आली व त्यांचा यथोचित सन्मान करण्यात आला. बँकेचे नवीन व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी मा. श्री. अनंत नारायण कुलकर्णी यांचेही अभिनंदन व सत्कार करण्यात आला.

त्यानंतर मा. अध्यक्षांनी सभासदांना त्यांनी मांडलेल्या विषयासंदर्भात काही प्रश्न असल्यास विचारावे असे सांगितले.

सभासद श्री. विश्वास जोशी (स क्र. 47019)यांनी अहवालाच्या पान न. 35 वरील रु.77.43 कोटी Doubtfull Assets लिहीले आहेत ते नक्की काय आहेत व पुढच्या वर्षी जर RBI चे काही नियम आले व प्रोव्हिजन करायला सांगितले तर त्याचा नफ्यावर काय परिणाम होऊ शकतो. असा प्रश्न विचारला.

यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की Doubtfull Assets हे NPA चे वर्गीकरण असून रिझर्व्ह बँकेच्या निर्देशानुसार Doubtfull Assets हे नाव दिले आहे. कर्जखाते NPA झाल्यावर 1 वर्ष Sub Standard कॅटेगरी व त्यानंतर Doubtfull Assets अंतर्गत वर्ग करण्यात येते. Doubtfull Assets मध्ये Doubtful I, Doubtful II व Doubtful III अशा पद्धतीने वर्गीकरण केले जाते व त्याची तरतूद रिझर्व्ह बँकेच्या मार्गदर्शक तत्वानुसार केली जाते. तसेच रिझर्व्ह बँकेने परिपत्रकानुसार बँकांना अहवालात छापण्यासाठी Disclosure Norms दिले आहेत. त्यानुसार अहवालात त्याची माहिती दिली आहे. NPA च्या वर्गीकरणानुसार दरवर्षी तरतूद केली जाते हे NPA Norms 1992 पासून चालू आहेत. Doubtfull Assets मधील 77.43 कोटीसाठीची तरतूद आपण केलेली आहे. पुढच्या वर्षी NPA वाढले व NPA चे वर्गीकरण बदलले तर तरतूदीमध्ये बदल होईल.

पुढे श्री. विश्वास जोशी यांनी विचारले की दरवर्षी NPA चे aging नुसार बँक कोर्डिंग करते त्यानुसार पुढील वर्षी NPA मध्ये वाढ झाल्यास व रु.77.43 कोटीपैकी काही भाग कोड A किंवा कोड B या प्रमाणे वर्ग झाल्यास व Bad Loans झाले तर वसुली साठी बँक काय कारवाई करणार? तसेच बँकेने दाखवलेला Profit, रिझर्व्ह बँकेने सांगितल्याप्रमाणे केलेली प्रोव्हिजन, NBA व अन्य काही गोष्टींमुळे Profitability कमी होते प्रत्यक्षात नसले तरी कागदावरती तसेच दिसते. यामुळे मिळालेला पैसा तरतूदीमध्ये जाणार आहे का ?

यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की रिझर्व्ह बँकेने NPA संदर्भात जी मार्गदर्शक तत्वे दिली आहेत त्यानुसार बँक तरतूद करत असते. चार वर्ष कर्जखाते NPA असेल तर 100% तरतूद करावी

लागते. तसेच कर्जखाते NPA झाल्यावर त्यावरील व्याज नफा तोटा खाती घेत नाही. प्रत्यक्ष वसुली झाल्यावरच व्याज नफा तोटा खाती घेतले जाते. रु.8.00 कोटींचा Non Banking Assets च्या Accounting चा विषय व NPA खात्यांची तरतूद यांचा काहीही संबंध नाही. Non Banking Assets च्या Accounting संदर्भात रिझर्व्ह बँकेची मार्गदर्शक तत्वे नाहीत. NPA बाबतीत रिझर्व्ह बँकेच्या नियमानुसार बँक तरतूद करते. आपल्या बँकेत System दररोज NPA Classification करते.

यानंतर सभासद श्री. भास्कर भावसार (स क्र. 21698) यांनी अहवालातील पान क्र. 44 वरील संशयित व बुडीत कर्जनिधी रु. 5.80 कोटींवरून रु. 29.37 कोटी झाले आहेत. यात जवळ जवळ 24 कोटींनी वाढ झाली आहे हे पैसे वसूल होणार आहेत का व झाल्यास सभासदांना लाभांश देणार आहेत का असे विचारले. तसेच बँकेला 50 वर्षे पूर्ण होत आहेत व सभासदांची उपस्थिती 50% सुद्धा नाही याचे दुःख वाटते. AGM ला उपस्थिती कमी का ? याचा अभ्यास करावा.

पहिल्या प्रश्नाचे उत्तर देताना मा. अध्यक्षानी सांगितले की रिझर्व्ह बँकेने NPA Classification चे जे नियम दिले आहेत त्यानुसार जी खाती Doubtfull II मध्ये वर्गीकरण झाली होती त्यातील काही सन 2022-23 मध्ये Doubtfull III मध्ये वर्ग झाली त्याप्रमाणे अतिरिक्त तरतूद करावी लागली. ती बँकेने रु. 23.00 कोटीपेक्षा जास्त केली आहे. तरीसुद्धा बँकेला Net Profit रु. 21.69 कोटी झाला आहे. मा. अध्यक्षानी त्यांच्या दुस-या सूचनेचा नक्की विचार करु असे सांगितले.

श्री. भावसार यांनी विचारले की यास बुडीत कर्ज निधी नाव का दिले आहे ?

यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षानी सांगितले की सदर नाव हे रिझर्व्ह बँकेच्या परिपत्रकानुसार दिले आहे. हि कर्जखाती NPA असून त्यात वसुली चालूच असते. अहवाल वर्षात Write-off Account मध्ये म्हणजे जी खाती आपल्याकडे नाहीत त्याच्यात सुद्धा बँकेने रु. 11.00 कोटी वसूल केले आहेत.

श्री. भावसार यांनी बुडीत कर्जखात्यात वसुली झाल्यावर लाभांश देणार का ? असा प्रश्न उपस्थित केला.

यावर मा. अध्यक्षानी सांगितले की एकूण रु.2151 कोटी कर्जापैकी रु.123 कोटींची कर्जखाती NPA आहेत. बँकेची आर्थिक परिस्थिती चांगली असून रु.123 कोटीपैकी काही वसूली झाली नाही तरी बँक लाभांश देऊ शकते. यावर श्री. भावसार म्हणाले की देऊ शकतो आणि देण्यात खूप फरक आहे.

यावर मा. अध्यक्षानी उत्तर दिले की पुढच्या वर्षी लाभांश देण्यात येईल. RBI ने तरतूदी करण्यास सांगितले नसते तर गेल्या वर्षी पेक्षा जास्त लाभांश देण्याची बँकेची परिस्थिती आहे.

श्री. भावसार म्हणाले की बँकेचे 50 वे वर्ष आहे व बँक लाभांश देत नाही. TJSB बँकेने 27% लाभांश दिला. माझ्या 10,000/- च्या शेअर्सवर रु. 2700/- लाभांश दिला आहे.

यावर श्री. आंबेकर सर यांनी विनंती केली की कोणत्याही बँकेशी तुलना करु नये. तसेच बँकेच्या 50 व्या वर्षातील 3 महिने व 8 दिवस हे सन 2022-23 मध्ये होते तर उर्वरित 8 महिने व 23 दिवस सन 2023-24 मध्ये आहेत. 50 व्या वर्षात व्यवसायातून जो नफा मिळेल त्यातून बँक लाभांश देणार आहे. लाभांशाची रक्कम नफ्यानुसार ठरेल.

बँकेचे सभासद श्री. मुकुंद टिकेकर (स क्र. 22108) यांनी बँकेला 50 वर्षे झाल्याबद्दल सगळ्यांचे अभिनंदन केले. बँक चिकाटीने 50 वर्षांपर्यंत आली व बाकीच्या सहकारी बँकांपेक्षा आपली बँक व्यवस्थित चालली आहे असे सांगितले. यानंतर त्यांनी प्रश्न उपस्थित केला की NPA खात्यांमध्ये वसूली वेळेवर होत नाही व ती Default 1,2,3,4 अशी होतात. तर लोन देताना कर्जदाराची Capacity बघितली जात नाही का ? त्याचा पगार, मालमत्ता बघितली जाते का ? मालमत्ता असल्याशिवाय लोन देऊ नये तसेच कर्जदाराने पैसे भरले नाहीत व ते Default झाले तर बँक ते वसूल करु शकत असेल तरी सुद्धा काही

सहकारी संस्थांचे बारा वाजलेले आहेत आणि रिझर्व्ह बँकेने कडक धोरण अवलंबले आहेत. आपल्या बँकेच्या बाबतीत चिंता नाही परंतु लोन देताना काळजी घेतली पाहिजे.

पुढे श्री. टिकेकर यांनी सांगितले की त्यांचे खाते मुख्य शाखेत टिळक चौक येथे पहिल्या मजल्यावर आहे. तिथे दोन लिफ्ट आहेत परंतु त्या ग्राहकांसाठी नाहीत. वयस्कर लोकांना चढ उतार करायला त्रास होतो तेव्हा गायन समाज यांना सांगून काही तरी सोय करावी. लिफ्टची सोय करणे जमत नसेल व ही जागा भाड्याची असेल तर बँकेने दुसरीकडे तळमजल्यावर भाड्याने जागा घ्यावी.

यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी श्री. टिकेकर यांना त्यांच्या दोन्ही मुद्यांवर बँक विचार करेल असे सांगितले.

प्रश्नोत्तरानंतर मा. अध्यक्षांनी ठराव क्र. 2 सभेपुढे मांडला.

ठराव क्र. 2 : संचालक मंडळाने सादर केलेल्या दि. 31.03.2023 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाचा अहवाल **मा. अध्यक्ष सी. ए. सचिन आंबेकर** यांनी सभेपुढे सादर केला. त्याचबरोबर पुढील वर्षाचे अंदाजपत्रक सभेपुढे मांडले. त्याची ही सर्वसाधारण सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : नाव : श्री. विश्वास वसंत धामणकर सभासद क्र. : 2357

अनुमोदक : नाव : श्री. राजेंद्र पोपट घोडके सभासद क्र. : 11588

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर पुढील ठराव मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी मा. संचालक श्री. हेमंत दरगोडे यांना सांगितले.

विषय : वैधानिक लेखापरीक्षकांनी तपासलेला दि. 31.03.2023 रोजीचा ताळेबंद, नफा-तोटा पत्रक आणि लेखापरीक्षण अहवाल स्वीकृत करणे. तसेच मागील वर्षाच्या वैधानिक लेखापरीक्षणाच्या दोषदुरुस्ती अहवालाची नोंद घेणे.

मा.श्री. दरगोडे सर यांनी सुरुवातीस बँकेने आयोजित केलेल्या संस्थापक संचालक व संस्थापक सभासद तसेच आजी माजी संचालक यांच्या मेळाव्याची माहिती दिली. दि. 24.09.2023 रोजी हा कृतज्ञता सोहळा आयोजित केला होता. बँकेची स्थापना झाली तेव्हाच्या 311 सभासदांपैकी 47 सदस्य हयात असून त्या सर्वांना या ठिकाणी बोलविण्यात आले होते. त्यावेळी अनेक जुन्या आठवणींना उजाळा देण्यात आला. ते क्षण कायम स्मरणात राहतील असे श्री. दरगोडे यांनी सांगितले.

त्यानंतर श्री. दरगोडे सर यांनी विषयास सुरुवात करताना मा. अध्यक्षांनी केलेल्या आर्थिक विवेचनाचा थोडक्यात आढावा घेतला. कर्जावरील व्याज व गुंतवणूकीवरील व्याज हे बँकेच्या उत्पन्नाचे प्रमुख साधन असून त्याचे तपशीलवार व तुलनात्मक विवेचन त्यांनी केले.

अहवाल वर्षात बँकेने एकही कर्जखाते Write-off केले नाही. Write-off केलेल्या खात्यांमध्ये वसूलीचे अधिकार बँकेकडे असतात. या वर्षी Write-off खात्यांमध्ये सुमारे रु.11.00 कोटींची वसूली झाली आहे.

बँकेच्या खर्चाचा तपशिल मांडताना ते म्हणाले, सरासरी ठेवींमध्ये रु 67 कोटींनी वाढ झाली आहे. तरी व्याजात घट झाली आहे कारण Cost of Deposit 4.88% वरून रु.4.55% इतके झाले आहे. KLTDS वरील व्याजात रु.6.86 कोटींवरून रु.3.02 कोटींपर्यंत घट झाली असल्याचे सांगितले. बँकेच्या इतर खर्चाबद्दलची सविस्तर माहिती त्यांनी सभेस दिली.

मागील वर्षाच्या तूलनेत, अहवाल वर्षात Operating Profit (before provision) रु.14.81 कोटीने वाढून रु.38.64 कोटी झाला आहे. ही वाढ 62% पेक्षाही जास्त आहे. या Operating Profit मधून वेगवेगळ्या तरतूदी केल्यावर व रिझर्व्ह बँकेने सांगितलेल्या अतिरीक्त तरतूदी रु.42.53 कोटी वजा केल्यावर बँकेने रु.20.83 कोटीचा तोटा दाखविला आहे.

सुवर्ण महोत्सवी वर्षासाठी बँक गेली अनेक वर्षे निधी ठेवत आहे. हा निधी सुवर्ण महोत्सवी वर्षासाठी काढला होता. परंतु ऑगस्ट 2021 च्या रिझर्व्ह बँकेच्या परिपत्रकानुसार या निधीतून खर्च करता येणार नाही. या संदर्भात रिझर्व्ह बँकेबरोबर पत्रव्यवहार केले असता रिझर्व्ह बँकेने सुवर्ण महोत्सवी वर्षातील खर्च नफा तोटा खाती वर्ग करण्यास सांगितला आहे.

रिझर्व्ह बँकेने करावयास सांगितलेल्या Extra Ordinary Provisions एकूण रु. 42.53 कोटी केल्यामुळे बँकेस तोटा झाल्याचे दिसत आहे हे सांगून या विषयासंदर्भात NAFCUB, को ऑपरेटिव्ह बँकस् फेडरेशन, असोसिएशन याच्यामार्फत हा विषय सहकार खात्यापर्यंत पोहोचविला आहे.

30 जुलै 2023 रोजी रिझर्व्ह बँकेचे गव्हर्नर यांनी मुंबईला सहकारी बँकांचे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी व तज्ज्ञ संचालक यांचे बरोबर मिटींग घेतली. मिटींगला स्वतः गव्हर्नर व त्यांची मॅनेजमेंट टीम होती. बँकेतर्फे मा. अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी व तज्ज्ञ संचालक मा.श्री. गुजर सर उपस्थित होते. मा.गव्हर्नर यांनी उपस्थित राहून सर्वांच्या प्रश्नांना उत्तरे दिली. को ऑपरेटिव्ह बँकांचे प्रश्न समजून घेऊन रिझर्व्ह बँकही या संदर्भात विचार करत असल्याचे त्यांनी मिटींग मध्ये सांगितले.

यानंतर मा.श्री.दरगोडे सर यांनी सभेस उपस्थित असलेले वैधानिक लेखापरिक्षक श्री.प्रकाशजी पाठक व मुख्य अंतर्गत लेखापरिक्षक श्री.धनंजय गोखले यांचे स्वागत केले.

मागील वर्षाच्या सभेत एका सन्माननीय सदस्यांनी दोषदुरुस्ती अहवाल वाचून दाखवण्यापेक्षा दृकश्राव्य माधमातून सांगावा असे सांगितले होते व त्यावेळी मा. अध्यक्षांनी ते मान्य केले होते. याचा उल्लेख करून नंतर मा. दरगोडे सर यांनी मागील वर्षाच्या वैधानिक लेखापरीक्षण अहवालात नमूद केलेल्या त्रुटी व त्यांचे निराकरण याची माहिती व दोषदुरुस्ती अहवाल दृकश्राव्य पद्धतीने सभेपुढे मांडला. मालमत्तांच्या विमा पॉलीसीचे नूतनीकरण, कर्जदारांकडून Statutory dues clearance certificate येणे बाकी, वाहन कर्जाच्या बाबतीत RC Book येणे बाकी, Completion Certificate, Possession Letter, सोसायटीचे मूळ शेअर सर्टिफिकेट येणे बाकी, अशा प्रकारच्या त्रुटींची पूर्तता बाकी राहते. या सारखी कागदपत्रे बँकेच्या दफ्तरी घेण्याकरीता काही तांत्रिक गोष्टींची पूर्तता बाकी राहिल्याने विलंब लागतो. परंतु बँकेने ही सर्व कागदपत्रे यथावकाश दफ्तरी घेतलेली असून वरील सर्व त्रुटींची पूर्तता केलेली असल्याबाबत व त्याचा दोषदुरुस्ती अहवाल वैधानिक लेखापरीक्षक मे. वैशंपायन अँड पाध्ये यांना दिला असल्याचे त्यांनी सभेस सांगितले.

वैधानिक लेखापरीक्षक मे. वैशंपायन अँड पाध्ये यांनी आर्थिक वर्ष 2021-22 चा वैधानिक लेखापरीक्षण अहवाल दि. 26.06.2022 रोजी सादर केला. बँकेने त्याचा दोषदुरुस्ती अहवाल दि. 21.09.2022 रोजी (90 दिवसांच्या आत) दिला. दि. 14.10.2022 रोजी तो दिल्लीच्या सेंट्रल रजिस्ट्रारच्या ऑफीसमध्ये पाठवला असल्याची माहिती श्री. दरगोडे सर यांनी सभेस दिली. त्यानंतर यासंदर्भातील ठराव मांडण्यात आला.

ठराव क्र. 3 : वैधानिक लेखापरीक्षक मे. प्रकाश जी. पाठक अँड कंपनी यांनी तपासलेला दि. 31.03.2023 रोजीचा ताळेबंद, नफातोटा पत्रक आणि लेखापरीक्षण अहवाल **मा. संचालक श्री. हेमंत दरगोडे** यांनी सभेपुढे मांडला व समजावून सांगितला त्यास ही सभा स्वीकृत करित आहे. तसेच मागील वर्षाच्या वैधानिक लेखापरीक्षणाचा दोषदुरुस्ती अहवाल **मा. संचालक श्री. हेमंत दरगोडे** यांनी सभेपुढे सादर केला. त्याची ही सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : श्री. विश्वनाथ विष्णू पुराणिक सभासद क्र. 21247
अनुमोदक : श्री. गणेश मधुसूदन ठोसर सभासद क्र. 29017
ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर पुढील विषय म्हणजेच नफा तोटा वाटणी पत्रक श्री. दरगोडे यांनी सभेपुढे ठेवले.

विषय : संचालक मंडळाने सुचवलेल्या सन 2022-23 सालच्या नफा वाटणीस मंजूरी देणे.

मा.श्री. दरगोडे सर यांनी सांगितले की सन 2022-23 मध्ये केलेल्या अतिरिक्त तरतूदी ऐवजी या तरतूदी त्या त्या वर्षी करण्यास सांगितले असते तर प्रत्येक वर्षी नफा तेवढ्या रकमेने कमी झाला असता व अहवाल वर्षात बँकेला तोटा झाला नसता. त्यानंतर त्यांनी नफा तोटा वाटणी पत्रक सभेपुढे ठेवले व त्याबद्दलची सविस्तर माहिती सभेस दिली.

नफा तोटा खात्यामधील नोंदी रिझर्व्ह बँकेच्या नियमानुसार केल्या आहेत तसेच वाटणीयोग्य नफा रु.7.75 कोटी असून त्यामधून रु.7.11 कोटी Accounting Standard 4 नुसार मागील आर्थिक वर्षातील लाभांश वजा केला आहे. त्यानंतर वाटणीयोग्य निव्वळ नफा रु.63.53 लाख असून त्यामधून राखीव निधी (25%) व सर्वसाधारण निधी मिळून रु.63.25 लाखाची वाटणी केली आहे व रु.27597.00 पुढील वर्षासाठी शिल्लक ठेवली आहे.

रिझर्व्ह बँकेच्या नियमानुसार लाभांश हा आर्थिक वर्षातील नफ्यातूनच देता येतो. Carry Forward नफ्यातून देता येत नाही. यावर्षी बँकेने तोटा दर्शविल्यामुळे, बँक लाभांश देऊ शकत नाही.

त्यानंतर सभासदांचे या विषयासंदर्भात काही प्रश्न असल्यास विचारावे असे सांगितले.

सभासद श्री. विश्वास जोशी (स क्र.47019) यांनी प्रश्न उपस्थित केला की बँकेने जो खर्च केला, ताळेबंद पत्रकात जे दाखविले त्यास रिझर्व्ह बँकेने आक्षेप घेऊन काही नोंदी करायला लावल्या. पण लेखापरीक्षण अहवालात असे नमूद केले आहे की बँकेने ज्या नोंदी केलेल्या आहेत त्या बँकेच्या अखत्यारीतल्या आहेत. यात विरोधाभास वाटतो. जर केलेल्या नोंदी बँकेच्या अखत्यारीतल्या आहेत तर रिझर्व्ह बँकेने आक्षेप कसा घेतला. याबाबत अधिक माहिती द्यावी.

यावर उत्तर देताना मा. श्री. दरगोडे सर यांनी सांगितले की बँक मल्टीस्टेट को ऑप. बँक आहे. बँकेस BR Act तसेच मल्टीस्टेट सहकारी कायदा लागू आहे. रिझर्व्ह बँकेने वेळोवेळी सुचविलेल्या दुरु स्ती, सूचना बँकेस लागू आहेत. त्याचबरोबर इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटंट्स यांनी जे Accounting Standard दिले आहेत, त्याच्या बाहेर जाऊन बँकेने कधीही, कोणतेही व्यवहार /नोंदी केलेल्या नाहीत. बँकेचे लेखापरीक्षक यांनी हे तपासून अहवाल दिला आहे. सगळ्यांचा विचार करु न नोंदी केलेल्या असतात. यात कोणतीही चूक नाही. या संदर्भात रिझर्व्ह बँकेबरोबर पत्रव्यवहार करत आहोत की

Accounting Standard नुसार बँकेने केलेल्या नोंदी बरोबर आहेत. तरी या बाबत कोणतीही शंका मनात ठेवू नये.

दुर्दैवाने बँकेच्या 50 व्या वर्षात लाभांश देऊ शकत नाही याचे बँकेलाही दुःख आहे. परंतु बँकेस तोटा झाला आहे व ते मान्य करून बँक पुढे चालली आहे.

या आर्थिक वर्षातले 6 महिने संपले असून, मा. अध्यक्षानी सांगितल्याप्रमाणे बँकेस Operating Profit होईल व पुढील वर्षी हे कोणतेही प्रश्न उद्भवणार नाहीत. संचालक मंडळाच्या वतीने श्री. दरगोडे सर यांनी ही ग्वाही दिली.

सभासद श्री. विश्वास जोशी यांनी विचारले की रिझर्व्ह बँक CA ने दिलेल्या नियमांच्या विरोधात भूमिका देत आहेत का ? पुढे श्री. जोशी म्हणाले की आता बँक जे आश्वस्त करत आहे ते पुढच्या वर्षी होणार का ? कारण रिझर्व्ह बँक पुन्हा नवीन नियम अंमलात आणेल व बँकेकडून असेच उत्तर मिळेल. यावर श्री. दरगोडे सर यांनी बँकेस Operating Profit होईल असे आश्वासन दिले.

मा. अध्यक्षानी सांगितले की बँक ही आर्थिक संस्था आहे. आर्थिक क्षेत्रात काम करताना या जोखीम घेऊनच काम करावे लागते. बँक ठेवीदारांकडून पैसे घेते. ज्यापैकी अनेकजण बँकेचे सभासद नसतात म्हणजेच मालक नसतात. हे पैसे बँक कर्जदारांना कर्ज स्वरूपात देते व त्यांचे शेअर्स असल्यामुळे ते बँकेचे मालक असतात. यापासून जोखीम चालू होते.

सप्टेंबर 2020 मध्ये BR Act मध्ये सुधारणा / दुरुस्ती झाली. त्यानंतर सहकारी बँकांचे रेग्युलेशन पूर्णपणे रिझर्व्ह बँकेकडे आले असून त्यांनी यामध्ये अधिक लक्ष घालण्यास सुरुवात केली आहे. हा संक्रमणाचा काळ आहे, त्यामुळे असे अनेक विषय समोर येत आहेत व येतील, त्याला तोंड देण्याशिवाय कोणत्याही सहकारी बँकेकडे पर्याय नाही. संक्रमण प्रक्रिया पूर्ण होत नाही तोपर्यंत कोणीही, कोणतेही आश्वासन देऊ शकत नाही की पुढील वर्षी हे विषय पुन्हा येणार नाहीत.

एवढ्या प्रतिकूल काळातही बँकेने रु .23.00 कोटींची BDDR तरतूद, रिझर्व्ह बँकेने सांगितलेल्या रु.42.53 कोटींची अतिरिक्त तरतूद केल्यानंतरही बँकेने रु.20.83 कोटींचा तोटा दाखवला आहे. याचा अर्थ रु.40.00 कोटींचा बदल बँक ताळेबंद व नफा तोटा पत्रकात स्वीकारू शकली ही आर्थिकदृष्ट्या जमेची बाजू आहे. त्यामुळे याबाबत कोणीही काळजी करू नये. परंतु यापुढे असे बदल होणार नाहीत याबाबत कोणीही सांगू शकत नाही. संचालक मंडळ व प्रशासन म्हणून सर्व लोक एकत्र राहून एकच करू शकतो की येणा-या कोणत्याही बदलास ते स्वीकारून व ते पार करून यशस्वीरित्या पुढे जाणे.

नंतर सभासद श्री. नीळकंठ रघुनाथ काळे (स क्र. 2496) यांनी अहवालातील पान क्र. 8 वरती रु.5.00 लाखांपर्यंतच्या ठेवींसाठी विमासंरक्षण आहे. आता अंदाजपत्रकाप्रमाणे ठेवी वाढणार असतील तर हे संरक्षण रु.10.00 लाखांपर्यंत वाढवू शकत नाही का ?

यावर मा. अध्यक्षानी उत्तर दिले की ठेवींचा विमा DICGC कडून असतो. पूर्वी हा विमा फक्त रु.1.00 लाखांपर्यंतच्या ठेवींकरिता होता. तो आता रु.5.00 लाखांपर्यंत केला आहे.

पुढे श्री. काळे यांनी विचारले की ब-याच लोकांनी बँकेत रु .10-20 लाखांच्या ठेवी ठेवल्या आहेत. त्यांनाही रु.5.00 लाखांचाच विमा आहे का ?

मा. अध्यक्षानी सांगितले की रु.5.00 लाखांपर्यंतच्या ठेवींना विमासंरक्षण असून सगळ्या बँकांना हा नियम लागू आहे व तो रिझर्व्ह बँकेच्या निर्देशानुसार आहे.

श्री. काळे यांनी नंतर सभासदांच्या वैद्यकीय तपासणीबाबत प्रश्न उपस्थित केला की अहवाल वर्षात वैद्यकीय तपासणी बिल शून्य आहे तर ही तपासणी फक्त एकदाच केली जाते का ?

यावर मा. अध्यक्षानी सांगितले की सभेच्या सुखातीस सभासदांच्या वैद्यकीय तपासणीबाबत अहवालात छापायचे राहून गेले असले तरी पूर्वीच्या नियमांप्रमाणे वैद्यकीय तपासणी चालू आहे. यासाठी सभासदांनी त्यांच्या शाखेत संपर्क करावा.

त्यानंतर नफा तोटा वाटणी संदर्भातील पुढील ठराव सभेपुढे मांडण्यात आला.

ठराव क्र. 4: सन 2022-23 मध्ये नफा तोटा वाटणी खात्यामधून रु . 63.53 लाख नफा झाला आहे. संचालक मंडळाने पुढीलप्रमाणे नफा वाटणीस शिफारस केली आहे. ती मा. संचालक श्री. हेमंत दरगोडे यांनी सभेसमोर मांडली. सदर नफा वाटणीस ही सभा मंजुरी देत आहे.

निव्वळ तोटा	- २०,८३,३५,११६
मागील शिल्लक	७,१५,३४,३६३
राखीव व इतर निधीमधून जमा	
राखीव निधी	६,०१,८९,५९८
सर्वसाधारण मुक्त निधी	२,४०,७५,८३९
राष्ट्रीय सहकार शिक्षण निधी	१९,००,०००
गुंतवणूक वध घट निधी	७८,१५,०००
सर्वसाधारण मुक्त निधी (लाभांश)	७,११,४४,७३८
धर्मादाय निधी	१९,००,०००
सभासद कल्याण निधी	१०,००,०००
महोत्सव निधी	४५,६९,५७८
कर्मचारी सानुग्रह निधी	१,२५,००,०००
निवडणूक निधी	१०,००,०००
शैक्षणिक निधी	१,००,०००
बुडीत व संशयित कर्ज निधी	२,८१,०३,३३५
एकूण	७,७४,९७,३३५
वाटणी	
राखीव निधी (२५%)	१६,००,०००
सर्वसाधारण मुक्त निधी	४७,२५,०००
राष्ट्रीय सहकार शिक्षण निधी (१%)	०
गुंतवणूक वध घट निधी	०
लाभांश (२०२१-२२)	७,११,४४,७३८
धर्मादाय निधी (०१%)	०
सभासद कल्याण निधी	०
महोत्सव निधी	०
कर्मचारी सानुग्रह निधी	०
निवडणूक निधी	०
शैक्षणिक निधी	०
बुडीत व संशयित कर्ज निधी	०
पुढील वर्षासाठी शिल्लक	२७,५९७
एकूण	७,७४,९७,३३५

सूचक : श्री. सुधिर पुरुषोत्तम जोशी सभासद क्र. 17058
अनुमोदक : श्री. अनिरुद्ध भगवंत मांडे सभासद क्र. 10828
ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर मा. अध्यक्षांनी पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. संचालक श्री. मंगेश पाटील यांना विनंती केली.

विषय : सन 2023-24 साठी वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या पुनर्नेमणूकीस मंजूरी देणे.

श्री. मंगेश पाटील यांनी सुरुवातीस याविषयीची माहिती सभासदांना दिली. वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकीसंदर्भात भारतीय रिझर्व्ह बँकेने दि. 27.04.2021 रोजीच्या परिपत्रकाद्वारे मार्गदर्शक सूचना दिल्या आहेत. त्यानुसार वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकीस / पुनर्नेमणूकीस रिझर्व्ह बँकेची पूर्वपरवानगी आवश्यक आहे. परवानगी प्राप्त झाल्यानंतर सलग तीन वर्षांपर्यंत त्याच फर्मची पुनर्नेमणूक बँकेला करता येते. दरवर्षी 31 जुलै पूर्वी वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकी / पुनर्नेमणूकीचा प्रस्ताव रिझर्व्ह बँकेकडे पाठवावा लागतो. सबब सन 2023-24 करीता आपण मे.प्रकाश जी पाठक अॅण्ड कं. या फर्मची वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून पुनर्नेमणूक करण्याचा प्रस्ताव रिझर्व्ह बँकेकडे पाठविला होता. त्यास रिझर्व्ह बँकेने परवानगी दिली असून मे.प्रकाश जी पाठक अॅण्ड कं. यांनीही याकरीता संमती दर्शविली आहे. त्यानुसार मे.प्रकाश जी पाठक अॅण्ड कं. यांची सन 2023-24 करीता वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून पुनर्नेमणूक करण्यास सभेपुढे शिफारस करित आहोत. यासंदर्भातील ठराव क्र. 5 पुढीलप्रमाणे.

ठराव क्र. 5: मल्टीस्टेट सहकारी कायदा 2002 च्या कलम 70 आणि सध्या लागू असलेल्या इतर तरतुदींनुसार सन 2023-24 साठी वैधानिक लेखापरीक्षण करणेकरीता, या वर्षाच्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेपासून पुढील वार्षिक सर्वसाधारण सभेपर्यंत वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून मे. प्रकाश जी. पाठक अॅण्ड कंपनी यांची पुनर्नेमणूक करण्यात यावी अशी शिफारस संचालक मंडळाने केली आहे. **मा. संचालक श्री. मंगेश पाटील** यांनी सभेसमोर सदर प्रस्ताव मांडला. मे. प्रकाश जी. पाठक अॅण्ड कंपनी यांनी त्यांच्या नेमणूकीस मान्यता कळविली आहे. बँकिंग नियामक कायदा, 1949 मधील तरतुदीनुसार, भारतीय रिझर्व्ह बँकेने त्यांच्या नेमणूकीस ना हरकत दिली आहे. त्यानुसार मे. प्रकाश जी. पाठक अॅण्ड कंपनी यांची सन 2023-24 करिता वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून पुनर्नेमणूक करण्यात येत आहे. तसेच नियमानुसार त्यांचा मेहेनताना ठरविण्याचे अधिकार संचालक मंडळास देत आहे.

सूचक : श्री. शरदचंद्र मनोज सुमंत सभासद क्र. 2935
अनुमोदक : श्री. भास्कर काशिनाथ भावसार सभासद क्र. 21698
ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर विषयपत्रिकेवरील पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी मा. संचालक श्री. मकरंद केळकर यांना सांगितले.

विषय : संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जाची नोंद घेणे.

50 वर्षा पूर्वी सुरु झालेल्या आपल्या बँकेला दूरदृष्टी असलेले संचालक लाभले आणि काही निर्बंध नसतानाही बँकेच्या स्थापनेपासून बँकेच्या संचालकांनी बँकेतून स्वतः करीता कोणत्याही प्रकारचे कर्ज न घेण्याचे तसेच कोणालाही जांमिनदार म्हणून न राहण्याचे निर्बंध घालून घेतले आहेत व आजवर ते पाळले आहेत. संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जाबद्दलची सविस्तर माहिती अहवालातील पान क्र. 9 वर दिली आहे असे मा. संचालक श्री. मकरंद केळकर यांनी सांगितले. त्यासंदर्भात पुढील प्रमाणे ठराव मांडला.

ठराव क्र. 6 : संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जाबाबतचा ठराव **मा. संचालक श्री. मकरंद केळकर** यांनी सभेपुढे मांडला.

संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांनी कोणत्याही प्रकारचे कर्ज आपल्या बँकेतून घेतले नाही. त्यामुळे त्यांची कोणत्याही प्रकारची थकबाकी नाही, याची ही सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : श्री. जालंदर कृष्णा सूर्यवंशी सभासद क्र. 80507

अनुमोदक : श्री. सहदेव पाटीलबा वारे सभासद क्र. 7719

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षानी मा. संचालक श्री. पद्मनाभ जोशी यांना सांगितले.

विषय : उपविधी दुरुस्तीस मंजूरी देणे.

मा. अध्यक्षांनी त्यांच्या भाषणात सांगितल्यानुसार सदर उपविधी दुरुस्ती तांत्रिक स्वरूपाची असल्याने हा ठराव वाचून न दाखविता मंजूरीसाठी मांडावा अशा सूचना एका सभासदाने दिल्या. त्यानुसार मा. श्री. पद्मनाभ जोशी यांनी अहवालातील पान क्र. 86 ते 89 यावर उपविधी दुरुस्ती बदल माहिती दिली आहे तसेच यासंदर्भात सभासदांकडून कोणतेही प्रश्न आले नाहीत हे सांगितले व पुढील प्रमाणे ठराव मांडला.

ठराव क्र. 7 : बहुराज्यीय सहकारी कायदा 2002 मध्ये दि.03.08.2023 रोजी झालेल्या दुरुस्तीस अनुसरून व रिझर्व्ह बँकेने दिलेल्या निर्देशानुसार बँकेच्या कामकाजामध्ये सुसूत्रता यावी या करीता संचालक मंडळाने उपविधी दुरुस्ती सुचविली आहे. उपविधी दुरुस्ती बाबतचा ठराव **मा. संचालक श्री. पद्मनाभ जोशी** यांनी सभेपुढे मांडला व उपविधी क्र.18(III), 20(I), 36(IV), 37(I), 38(I)a, 39(XXXIII), 41(I)(a), 44, 44(I)(a), 44(I)(g), 44(I)(q), 44(V), 46(VIII), 47(I), 48(XXXII), 53(III), 53(IV) मधील दुरुस्ती समजावून सांगितल्या, सदर दुरुस्ती ही अहवालाच्या पान क्र. 86 ते 89 वर नमुद केलेली आहे. त्यास ही सभा मंजूरी देत आहे. तसेच उपविधी दुरुस्ती प्रस्ताव अंतिम मंजूरीसाठी सेंट्रल रजिस्ट्रार, दिल्ली यांचेकडे पाठविणे करीता आवश्यक त्या कागदपत्रांवर सद्दा करण्याचे अधिकार अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष अथवा व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांचेपैकी एकास देण्यात येत आहेत.

सूचक : श्री. निळकंठ रघुनाथ काळे सभासद क्र. 2496

अनुमोदक : श्री. विवेक वसंत देहाडराय सभासद क्र. 25839

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

विषय : या सर्वसाधारण सभेस अनुपस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपस्थिती क्षमापित करणे.

मल्टिस्टेट सहकारी कायदा 2002 मध्ये पात्र व अपात्र सभासदांबाबतचे निकष दिले आहेत. त्यातील एक निकष म्हणजे सलग तीन वर्षे वार्षिक सर्वसाधारण सभेस अनुपस्थित असलेले सभासद हे अपात्र सभासद ठरतात व पात्र सभासदांना मिळणा-या सवलती / लाभ त्यांना मिळू शकत नाहीत. अनुपस्थित सभासदांची अनुपस्थिती, सभेस उपस्थित असलेल्या सभासदांनी क्षमापित केल्यास असे सभासद या कारणामुळे अपात्र ठरत नाहीत.

केवळ सभेस अनुपस्थित या कारणाने, सभासद अपात्र होऊ नये, यासाठी हा ठराव आहे. तरी अशा सभासदांची अनुपस्थिती क्षमापित करावी असा प्रस्ताव मा. संचालक श्री. यशवंत पांगारकर यांनी सभेपुढे मांडला.

ठराव क्र. 8 : या वार्षिक सर्वसाधारण सभेस अनुपस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपस्थिती क्षमापित करण्याचा ठराव **मा. संचालक श्री. यशवंत पांगारकर** यांनी सभेपुढे मांडला. अनुपस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपस्थिती ही सभा क्षमापित करित आहे.

त्यानंतर मा. अध्यक्षांनी, या विषयासंदर्भातील ठराव सभेपुढे मांडला.

सूचक : सौ. सुषमा शरदचंद्र सुमंत सभासद क्र. 15462

अनुमोदक : श्री. हरमीतसिंग हरभजनसिंग सैनी सभासद क्र. 10253

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर मा. अध्यक्षांनी उपाध्यक्ष मा. डॉ. रत्नाकर फाटक यांना आभार प्रदर्शन करण्याची विनंती केली.

मा. उपाध्यक्ष डॉ. रत्नाकर फाटक यांनी सर्वप्रथम सुवर्ण महोत्सवी वर्षातील सभेकरीता उपस्थित सर्व सभासदांचे आभार मानले. बँकेचे सर्व खातेदार, ठेवीदार, बँकेवर निस्सिम प्रेम करणारे बँकेचे सर्व हितचिंतक, उपस्थित माजी संचालक या सर्वांचे संचालक मंडळ आभारी आहे. सर्व संस्थापक संचालक, सदस्य यांच्याबद्दल कृतज्ञता व्यक्त केली. सभेत मंजूर केलेल्या ठरावांकरिता सूचक, अनुमोदक यांचे आभार मानले. तसेच बँकेच्या वार्षिक अहवालाच्या छपाईचे काम करणा-या प्रिंटींग प्रेस, नवरंग बँक्वेट हॉलचे मालक व व्यवस्थापक, सभेच्या कामकाजाचे चित्रिकरण करणारे छायाचित्रकार श्री. श्रीनिवास लेले, सिक्युरिटी गार्ड्स, पोलिस बांधव, पत्रकार बंधू या सर्वांना धन्यवाद दिले. बँकेच्या बोर्ड ऑफ मॅनेजमेंटवर जे सदस्य आहेत, ते RBI चे निवृत्त अधिकारी श्री. विवेक घळसासी, डॉ. बिपीनचंद्र वाडेकर, अॅड. अश्विन जोगळेकर यांचे मोलाचे मार्गदर्शन बँकेला मिळते, त्याबद्दल आभार व्यक्त केले. सभेस उपस्थित पश्चिम महाराष्ट्राचे सहसेवाप्रमुख श्री. महेश कर्पे यांना धन्यवाद दिले. बँकेच्या कर्मचा-यांनी सभा यशस्वी करण्याकरिता घेतलेल्या मेहनतीकरिता त्यांच्याप्रती आभार व्यक्त केले. रिझर्व्ह बँकेचे अधिकारी , बँकेचे वैधानिक लेखापरिक्षक सी. ए. प्रकाश पाठक व मुख्य अंतर्गत लेखापरिक्षक सी. ए. धनंजय गोखले त्यांचे आभार मानले. सुवर्ण महोत्सवी वर्षाकरिता बँक सर्व सभासदांना भेटवस्तू देणार आहे. ती भेट बनविणारे कारागीर व कारखानदारांचे संचालक मंडळ आभारी आहे, असे सांगितले.

शेवटी सर्व उपस्थितांना बँकेबद्दल असलेल्या प्रेमाकरिता व बँकेची सद्य आर्थिक परिस्थिती समजून घेतली त्याबद्दल धन्यवाद दिले व बँकेप्रती असलेले प्रेम कायम ठेवावे व बँकेची वाटचाल शताब्दीपर्यंत पुढे चालू रहावी अशा मनःपूर्वक शुभेच्छा देऊन कृतज्ञता व्यक्त केली.

त्यानंतर सभासद, श्री. विश्वास जोशी यांनी आपल्या बँकेकडून उत्कृष्ट सेवा मिळत असून संचालक मंडळ व कर्मचारी यांचे सर्व सभासदांच्या वतीने आभार मानले. तसेच त्यांनी मागिल वर्षी दिलेल्या सूचनेचा विचार केला या बद्दल संचालक मंडळाचे आभार मानले.

श्री.सहदेव वारे (स क्र.7719) यांनी ज्येष्ठ नागरिकांप्रमाणेच ज्येष्ठ नागरिक संघाच्या ठेवींवरही ज्यादा व्याज दर मिळणे बाबत सूचना केल्या. त्यावर मा. अध्यक्षांनी आपल्या सूचनेचा विचार करु असे उत्तर दिले.

श्री. निलेश सारंग (स क्र. 48193) यांनी प्रिव्हिलेज खातेदारांकरिता Customer Meet का घेत नाही असा प्रश्न विचारला असता, मा. अध्यक्षांनी आपल्या बँकेसाठी सर्व ग्राहक समान असून तेवढेच महत्वाचे आहेत तसेच आपण Customer Meet घेत असतो तरी अधिक माहितीसाठी आपण आपल्या शाखेत संपर्क साधावा असे सांगितले.

यानंतर मा. अध्यक्षांनी सभेची सांगता झाल्याचे जाहिर केले.